

प्रेषक,

राजेन्द्र सिंह  
उप सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

प्राचार्य,  
जी०बी० पन्त इंजीनियरिंग कालेज,  
घुड़दौड़ी, पौड़ी।

शिक्षा अनुभाग-8 (तकनीकी)

देहरादून दिनांक 28 जुलाई, 2005

**विषय- जी०बी० पन्त इंजीनियरिंग कालेज, घुड़दौड़ी, पौड़ी में 200 सीटेड छात्रों के छात्रावास निर्माण हेतु धनावंटन।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-प्रस्ताव/200सीटेड छात्रावास /509/2005-06 दिनांक 7.7.2005 एवं शासनादेश संख्या- 355/प्रा०शि० /2003 दिनांक 8-12-2003 तथा शासनादेश संख्या- 663/प्रा०शि०/2004 दिनांक 20.1.2005 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय जी०बी० पन्त इंजीनियरिंग कालेज, घुड़दौड़ी, पौड़ी में निमार्णाधीन 200 सीटेड छात्रों के छात्रावास निर्माण हेतु अनुमोदित लागत रु० 273.62 लाख के सापेक्ष पूर्व स्वीकृत धनराशि रु० 180.00 लाख को समायोजित करते हुए देय अवशेष धनराशि रु० 93.62 लाख (रुपये तिरानब्बे लाख बासठ हजार मात्र) की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 2- उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहां आवश्यक हो व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथासमय शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय।
- 3- निर्माण की गुणवत्ता के लिए कार्यदायी संस्था के अधिशासी अभियन्ता उत्तरदायी होंगे।
- 4- निर्माण हेतु अनुदानित धनराशि का भुगतान जिलाधिकारी, पौड़ी द्वारा बिल प्रतिहस्ताक्षरी किये जाने के उपरान्त कोषाधिकारी पौड़ी द्वारा सीधे आपको कर दिया जायेगा। सम्बन्धित कोषागार बीजक एवं दिनांक की सूचना शासन को उपलब्ध करायेंगे।
- 5- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

- 6- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 7- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 8- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 9- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग लाया जाए।
- 10- इसके अतिरिक्त शासनादेश संख्या- 355/ प्रा0शि0/ 2003 दिनांक 8-12-2003 में निर्धारित अन्य शर्तें यथावत रहेगी।
- 11- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के अनुदान संख्या -11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक - 2203 - तकनीकी शिक्षा - आयोजनागत - 00 - 112 - इंजीनियरी / तकनीकी कालेज तथा संस्थान -00-05- इंजीनियरिंग कालेज घुडदौड़ी (पौड़ी)-20- सहायक अनुदान/ अशदान/ राजसहायता के नामें डाला जायेगा।
- 12- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-70/वि0 अनु0-4/2005 दिनांक 23.7.2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,  
(राजेन्द्र सिंह)  
उप सचिव।

#### संख्या व दिनांक तदैव

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

- 1- महालेखाकार उत्तरांचल देहरादून।
- 2- निदेशक, प्राविधिक शिक्षा, उत्तरांचल।
- 3- जिलाधिकारी /कोषाधिकारी, पौड़ी।
- 4- निदेशक कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तरांचल, देहरादून।
- 5- परियोजना प्रबन्धक राजकीय निर्माण निगम, पौड़ी।
- 6- वित्त अनुभाग-4/ नियोजन अनुभाग।
- ✓ 7- राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
(संजीव कुमार शर्मा)  
अनु सचिव।